केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 175 शनिवार 18 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

श्रीविष्णु महायज्ञ के लिये कलश यात्रा 19 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ और संत सम्मेलन का आयोजन 19 जनवरी से किया गया है। यह जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक ध्रुव चन्द्र पाठक ने बताया कि मनवर तट पर बीसवें वर्ष में आयोजित महायज्ञ के लिये 19 जनवरी को कलश यात्रा निकाली जायेगी। कार्यक्रम विशाल मण्डारे के साथ 26 जनवरी को सम्पन्न होगा। श्रीविष्णु महायज्ञ में देवर्षि त्रिपाठी महाराज और सन्तोष त्रिपाठी भक्तों को कथा कर रसपान करायेंगे।

एन.एस.यू.आई. पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण 19 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एन.एस.यू.आई. की बैठक रविवार 19 जनवरी को दिन में 2 बजे रौता चौराहे के निकट स्थित शिविर कार्यालय पर होगी। यह जानकारी देते हुये एन.एस.यू.आई. जिलाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि बैठक में पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण के साथ ही उन्हें प्रमाण–पत्र दिया जायेगा। बताया कि एन.एस.यू.आई. के पूर्व जिला प्रभारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नोमान अहमद शपथ ग्रहण करायेंगे।

सफाईकर्मी को कारण बताओ नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर अपनी आईडी से एक प्रसिद्ध संत के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पोस्ट करने वाले सफाई कर्मी को बीडीओ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सल्टौआ ब्लॉक के ग्राम पंचायत खरहरा जप्ती में तैनात सफाईकर्मी प्रदीप कुमार ने सोशल मीडिया पर एक संत के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पोस्ट किया है। इस पर बीडीओ अनिल यादव ने नोटिस देते हुए कहा कि सफाई कर्मी तीन दिन में स्पष्टीकरण दें, अन्यथा की दशा में वेतन बाधित कर दिया जाएगा।

शेयर मार्केट के नाम पर साढे सात लाख की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शेयर मार्केट में अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में फंसकर एक व्यक्ति ने साढ़े सात लाख रुपया गवां दिया। कोतवाली के जिगिना मंझरिया निवासी शैलेन्द्र कुमार पांडेय ने तहरीर में बताया है कि उन्हें फोन के जरिए शेयर मार्केट में निवेश का झांसा दिया गया है। पैसा लगाकर अधिक मुनाफा देने का जालसाज ने लालच दिया। इसके बाद कई बार में अलग–अलग बैंक खातों में कुल साढ़े सात लाख रुपये जमा करा लिया। फ्राड का अहसास होने के बाद घटना की शिकायत एसपी अभिनंदन से की। उनके आदेश पर साइबर क्राइम पुलिस थाना में आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना थाना प्रभारी विकास यादव को सौंपी गई है।

रेलवे गेट पर मिला अज्ञात युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बभनान–गौर रेल खंड पर रेलवे गेट संख्या–218 के पास एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना कीमैन मेहीलाल ने गौर रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। रेलवे के मेमो पर आरपीएफ चौकी प्रभारी बभनान विश्वामित्र यादव मौके पर पहुंचे और जांच–पड़ताल किया। साथ ही पैकोलिया थाने को घटना की जानकारी दी। पैकोलिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास किया। लेकिन पहचान नहीं हो सकी।

युद्ध में रूस के लिये लड़ते हुये 12 भारतीयों की मौत: 16 लापता

नई दिल्ली (आभा)। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के लिए लड़ते हुए कम से कम 12 भारतीयों की मौत हो गई है। वहीं 16 भारतीय लापता हैं। रूस की सेना में जबरन भर्ती और फिर उनकी मौत की खबरों के बाद विदेश मंत्रालय ने सख्ती दिखाई है और रूस से कहा है कि सभी भारतीयों को तत्काल सेना से मुक्त कर दिया जाए। बीते दिनों केरल के रहने वाले एक शख्स की यूक्रेन के मोर्चे पर मौत हो गई थी। वहीं एक भारतीय बुरी तरह घायल हो गया था। बताया गया कि वह इलेक्ट्रीशन का काम करने के लिए रूस गया था लेकिन जबरन उसे सेना में भर्ती कर दिया गया और फिर यूक्रेन के मोर्चे पर लड़ने के लिए भेज दिया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने शुक्रवार को बताया, जानकारी के मुताबिक रूस की सेना में 126 भारतीय थे जिनमें से 96 लोग भारत लौट चुके हैं। उन्हें रूस की सेना से मुक्त किया जा चुका है। अभी 18 भारतीय सैनिक रूस की सेना में हैं और 16 के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। जैसवाल ने कहा कि जो 16 भारतीय लापता हैं उनका पता लगाने को भी कहा गया है।

यूक्रेन के मोर्चे पर मारे गए केरल के बिनिल बाबू को लेकर विदेश मंत्रालय ने दुख व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस में भारत का दूतावास प्रशासन से साथ संपर्क में है ताकि उनके पार्थिव शरीर को लाया जा सके। वहीं घायल हुए जैन टीके का मॉस्को में इलाज करवाया जा रहा है। इलाज पूरा होने के बाद वह भारत लौट सकते हैं।

मंगलवार को विदेश मंत्रालय ने

कहा था कि मॉस्को में भारतीय दूतावास लगातार पीड़ितों के परिवार के संपर्क में है। बता दें कि बिनिल कई महीने से भारत लौटना चाहते थे। हालांकि उन्हें जबरन रूस की सेना में रखा गया था। उनकी पत्नी ने भी त्रिशूर जिले में ही प्रशासन से गुहार लगाई थी कि उन्हें वापस लाने में मदद की जाए। बिनिल आईटीआई मकैनिकल डिप्लोमा होल्डर थे। वह इलेक्ट्रीशन और प्लंबर का काम करने के लिए रूस गए थे। इस तरह कई अन्य लोगों के साथ भी धोखाधड़ी हुई और उन्हें युद्ध लड़ने के लिए भेज दिया गया।

खिचड़ी सहभोज के साथ कम्बल का वितरण: करायेंगे निःशुल्क महाकुंभ दर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महाकुम्भ दर्शन और त्रिवेणी में स्नान को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष उत्सुकता है। रुधौली विकास खण्ड क्षेत्र के नरही निवासी समाजसेवी निरंजन उपाध्याय ने जिगिना ग्राम पंचायत के जरूरतमंदों में कम्बल वितरण करते हुये कहा कि उनके द्वारा बस से महाकुम्भ दर्शन के लिये इच्छुक लोगों को निःशुल्क भेजा जायेगा। इस मौके पर ओम श्री झारखण्डेश्वरनाथ शिव मंदिर मरही पर खिचड़ी सहभोज के साथ कडाके की ठंड से बचाव के लिये कम्बल वितरित किया गया। निरंजन उपाध्याय ने कहा कि समाज के समर्थवान लोगों को आगे आना चाहिये कि जो लोग आर्थिक कारणों से महाकुंभ का दर्शन नहीं कर पा रहे हैं उन्हें यह पुण्य अवसर उपलब्ध करायेंगे।

खिचड़ी सहभोज और कम्बल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय दूबे, रमन सिंह, राजेन्द्र तिवारी, वेद प्रकाश तिवारी, आशीष सिंह, सुभाष चौबे, विनोद सिंह, रामचन्द्र उपाध्याय, श्याम कुमार उपाध्याय, छोटू, विनोद त्रिपाठी के साथ ही क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान, उनकी पत्नी भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार

इस्लामाबाद (आभा)।

पाकिस्तान की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 19 करोड़ पाउंड के अल–कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी पाया और दोनों को क्रमशः 14 और सात साल की जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार निरोधक अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने फैसला सुनाया, जिसे अलग–अलग कारणों से तीन बार टाला जा चुका था। आखिरी बार इसे 13 जनवरी को टाला गया था।

न्यायाधीश ने आदिला जेल में स्थापित एक अस्थायी अदालत में खान और उनकी पत्नी को कारावास की यह सजा सुनायी । राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने दिसंबर 2023 में खान (72), बीबी (50) और छह अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जिसमें उन पर राष्ट्रीय खजाने को 19 करोड़ पाउंड (करीब 50 अरब पाकिस्तानी रुपये) का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था।

मुकदमा खान और बीबी पर चलाया गया क्योंकि एक प्रॉपर्टी कारोबारी सहित अन्य सभी आरोपी देश से बाहर हैं । आरोप है कि एक प्रॉपर्टी कारोबारी के साथ समझौते के तहत ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी द्वारा पाकिस्तान को लौटाए गए 50 अरब पाकिस्तानी रुपये का दुरुपयोग किया गया।

राष्ट्रीय खजाने के तौर पर इस्तेमाल होने वाली इस राशि को उस व्यवसायी के कथित तौर पर निजी लाभ के लिए लगाया गया, जिसने बीबी और खान को एक विश्वविद्यालय स्थापित करने में मदद की थी।

अल–कादिर ट्रस्ट की ट्रस्टी के रूप में बीबी पर इस समझौते से लाभ उठाने का आरोप है, जिसमें झेलम में अल–कादिर विश्वविद्यालय के लिए 458 कनाल भूमि का अधिग्रहण करना भी शामिल है।

बरेली में पाकिस्तानी महिला बन गई अध्यापक: जांच के बाद बर्खास्त

बरेली (आभा)। बेसिक शिक्षा विभाग में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक महिला, जो पाकिस्तान की नागरिक है, फर्जी दस्तावेज सहारे सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापक की नौकरी हासिल कर ली। जांच में यह खुलासा होने के बाद, शिक्षा विभाग ने उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और उसके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया गया। यह मामला शिक्षा क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी पाने के गंभीर पहलू को उजागर करता है।

शुमायला खान जो प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत थीं। जांच में पता चला कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए जो निवास प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए थे, वे कूटरचित थे। शुमायला ने निवास प्रमाण पत्र एसडीएम कार्यालय, सदर, रामपुर से बनवाया था। जब इस दस्तावेज की गहराई से जांच की गई, तो पाया गया कि यह पूरी तरह फर्जी था।

शुमायला खान की नियुक्ति 2015 में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली द्वारा की गई थी। उन्होंने अपनी नियुक्ति जरूरी दस्तावेज जमा किए, जिनमें से निवास प्रमाण पत्र सबसे महत्वपूर्ण था। जांच दौरान, तहसीलदार सदर, रामपुर की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि शुमायला ने फर्जी जानकारी देकर यह प्रमाण पत्र बनवाया था।

तहसीलदार की रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा गया कि शुमायला खान ने निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए गलत तथ्यों का सहारा लिया। उनकी असलियत सामने आने के बाद, प्रमाण पत्र को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। इसके बाद जिला शिक्षा विभाग ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। शिक्षा विभाग ने इस पूरे प्रकरण की गहन जांच के लिए शुमायला से कई बार स्पष्टीकरण मांगा। हर बार उनके द्वारा प्रस्तुत जानकारी और दस्तावेजों की जांच में फर्जीवाड़ा साबित हुआ।

शुमायला खान ने अपनी पाकिस्तानी नागरिकता को छिपाकर और भारतीय निवासी होने का फर्जी

दावा करके यह नौकरी हासिल की थी। शिक्षा विभाग ने 3 अक्टूबर 2024 को शुमायला खान को सहायक अध्यापक के पद से निलंबित कर दिया। इसके बाद उन्हें नियुक्ति की तारीख से पद से हटाने का आदेश भी जारी किया गया।

फतेहगंज पश्चिमी के खंड शिक्षा अधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश पर शुमायला के खिलाफ फतेहगंज पश्चिमी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई। उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब शुमायला की गिरफ्तारी की तैयारी कर रही है।

शिक्षा क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी हासिल करने का यह मामला काफी गंभीर है। शुमायला खान पर यह आरोप है कि उन्होंने भारतीय नागरिक होने का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया और सरकारी नौकरी हासिल कर ली। यह घटना न केवल प्रशासनिक प्रक्रिया में खामियों को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर सरकारी सिस्टम को धोखा दिया जा सकता है।

निवास प्रमाण पत्र, जो कि किसी भी सरकारी नौकरी के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, शुमायला ने फर्जी तरीके से बनवाया था। तहसीलदार सदर, रामपुर की रिपोर्ट में कहा गया कि यह प्रमाण पत्र न केवल गलत है, बल्कि इसे बनवाने के लिए तथ्यों को छुपाया गया था। शुमायला ने यह दावा किया था कि वह भारतीय नागरिक हैं और रामपुर में रहती हैं। लेकिन जांच में पता चला कि वह वास्तव में पाकिस्तान की नागरिक हैं और उनकी जानकारी झूठी है। शिक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शुमायला को निलंबित कर दिया और उनकी नियुक्ति को रद्द कर दिया। शिक्षा विभाग का कहना है कि अब इस तरह के मामलों को रोकने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया को और कड़ा किया जाएगा।

इनामिया नौशाद उर्फ भीम मुठभेड़ में घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के आते ही पैर में गोली मारकर मुठभेड़ का सिलसिला जारी है। छावनी थाना क्षेत्र के छितौना माझा में स्वाट टीम व थानाध्यक्ष छावनी के बीच गौ तस्करों से हुई मुठभेड़ में इनामिया नौशाद उर्फ भीम के घायल होने की खबर है। उसका सीएचसी विक्रमजोत पर इलाज हो रहा है। समाचार लिखे जाने तक

विस्तृत विवरण नहीं मिल सका है। मौके पर सूचना मिलने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह भी पहुचे।

मण्डलायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, बस्ती मण्डल, बस्ती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने भवन अनुरक्षण कार्य के सम्बन्ध में अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन आत्म प्रकाश बाजपेयी से जानकारी लिया, जिस पर अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन द्वारा विस्तार से अनुरक्षण में अब तक हुए कुल कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। उन्होने देखा कि कार्यालय भवन के हो रहे अनुरक्षण कार्य, कार्यालय में साफ–सफाई तथा पत्रावलियो के रख–रखाव बेहतर ढंग से किया गया है, इस पर मण्डलायुक्त ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

उन्होने कार्यालय भवन की

चाहरदीवारी को भी रंग/व्हाईट वाश कराने हेतु कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया। इसके पूर्व मण्डलायुक्त का स्वागत अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक लेखा अधिकारी भोलानाथ मौर्या, क्षेत्रीय लेखाधिकारी आशीष भाष्कर, खाद्य एवं रसद कार्यदायी संस्था निर्माण खण्ड, लो०नि०वि० के अवर अभियंता मनीष चतुर्वेदी, लेखाकार उमेश चन्द्र सिंह, वरिष्ठ सहायक आकाश सिंह, कनिष्ठ सहायक नवनीत तिवारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर आकाश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहें।

बस्ती में चल रहा था नकली यूरिया फ्यूल बनाने का कारखाना: छापे के बाद संचालक फरार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र में हाईवे किनारे नकली यूरिया फ्यूल बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई। यह फैक्ट्री एक भवन में चल रही थी, जिसे आरओ प्लांट के नाम पर एग्रीमेंट कराया गया था। सूचना पर मजिस्ट्रेट, जिला कृषि अधिकारी और पुलिस की टीम ने छापा मारा। मौके से फैक्ट्री संचालक भाग गया। अब इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू की गई है। कप्तानगंज थानाक्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे गड्डहा गौतम ओवरब्रिज के पास एक घर में नकली यूरिया फ्यूल फैक्ट्री संचालित होने की सूचना पुलिस और प्रशासन को मिली थी। अग्रिम कार्रवाई के लिए डीएम को आख्या भेजी जा रही है।

जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबूराम मौर्य ने बताया कि यहां पर बड़े पैमाने पर डीजल एक्झास्ट फ्यूल तैयार किया जा रहा था। मौके पर प्लांट परिसर में 62 बोरी खाली यूरिया की बोरी मिली। यह यूरिया की बोरियां सब्सिडी के साथ कृषि कार्य में प्रयोग होने वाली हैं। प्लांट में यूरिया बिखरी मिली। कृषि विभाग की टीम गुरुवार दोपहर बाद तक गोदाम में बरामद सामानों और उपकरणों का मूल्यांकन किया। दोपहर बाद तीन बजे मौके के स्थिति की आख्या तैयार मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार की देखरेख में गोदाम

को सील कर दिया गया।

छापेमारी के दौरान मौके पर भवन स्वामी अरुण कुमार सिंह भी पहुंचे। पूछताछ में मकान मालिक ने बताया कि उन्होंने अपने भवन में आरओ प्लांट चलाने का एग्रीमेंट किया था, जिसके लिए किराया फिक्स किया था। उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि यहां पर नकली यूरिया फ्यूल बनाया जा रहा है। आरओ प्लांट के लिए किया गया एग्रीमेंट किसी अरविन्द तिवारी निवासी नथऊपुर थाना हर्रैया के नाम पर है।

मजिस्ट्रेट की अगुवाई में पुलिस ने इस अवैध फैक्ट्री से मिक्सर मशीन, आरओ प्लांट डीएम प्लांट, ब्रांडेड कम्पनियों की खाली बाल्टियां, बड़ी कम्पनियों के नाम वाले होलोग्राम, स्टीकर्स, एसिड, केमिकल्स और प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना के यूरिया खाद की खाली बोरियां और पांच हजार लीटर की एक टंकी, दो हजार लीटर की तीन टंकी के अलावा 10 टंकी यूरिया फ्यूल की बरामद हुई है। कुछ टंकी में रखा लिक्विड यूरिया भी मिली है।

पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार पांडेय के अनुसार सरकार ने बीएस 6 इंजन में डीजल को सही तरीके से जलाने के लिए डीजल एक्झास्ट फ्यूल के प्रयोग की अनुमति दी है। इसके प्रयोग से डीजल का अधिकांश भाग जल जाता है और धुआं के रूप में कम निकलता है, जिससे पर्यावरण को कम नुकसान हो। यूरिया लिक्विड को 2018 में सरकार ने शुरू किया था, जो कई मानकों पर गुजरते हुए बनाया जाता है। नकली यूरिया लिक्विड फ्यूल का प्रयोग होने से सरकार की मंशा पर पानी फिर सकता है और पर्यावरण को नुकसान होगा।

जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबूराम मौर्य ने बताया कि डीजल एक्झास्ट फ्यूल बनाने के लिए मौके पर कोई कागजात नहीं मिला और संचालकों ने प्रस्तुत भी नहीं किया। यदि बिना लाइसेंस के फ्यूल तैयार किया जा रहा है तो यह वैधानिक नहीं है। लाइसेंस होने पर यहां टेक्निकल ग्रेड की यूरिया का प्रयोग होना चाहिए था, लेकिन मौके पर सरकार अनुदानित यूरिया की 62 खाली बोरियां मिली हैं। यह आवश्यक वस्तु अधिनियम का उल्लंघन है। इस संबंध में संपूर्ण आख्या डीएम को भेजी जा रही है। उनके निर्देशानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

निजीकरण और छटनी के विरोध में आन्दोलन: संविदा कर्मचारियों ने आफिस के गेट पर लगाया ताला

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में पावर कारपोरेशन के पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम वाराणसी और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम आगरा के निजीकरण और निगमों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की छटनी किए जाने के विरोध में शुक्रवार को 5000 से ज्यादा कर्मियों ने लखनऊ के गोखले मार्ग स्थित मध्यांचल निगम मुख्यालय का घेराव करके जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने निगम मुख्यालय के गेट में तालाबंदी करके डेरा डाल दिया। इन संविदा कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से निजीकरण के फैसले को वापस लेने और छटनी किये जा रहे लोगों को पुनः सेवा में वापस लेने की आवाज उठाई है।

संविदा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उनके नेता देवेंद्र कुमार

पांडे ने कहा कि पावर कारपोरेशन के द्वारा उनके कर्मियों का शोषण करने के लिए स्वीकृत पदों को भी घटाया जा रहा। पिछले एक दशक में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या पहले से काफी बढ़ गई। कर्मचारी घटाया जा रहा है। इससे बिजली घरों पर काम करने वाले कर्मियों पर बोझ पड़ेगा। संविदा कर्मचारियों की सभा को विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने भी संबोधित किया

विरोध प्रदर्शन के चलते मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय में कामकाज पर भी असर पड़ा। दरअसल, मुख्य गेट पर ताला लगा होने के कारण अंदर के अधिकारी न तो बाहर जा सके और न ही कोई बाहर का अधिकारी और कर्मचारी मुख्यालय के अंदर प्रवेश कर पाया, जिसके कारण रूटीन में होने वाले रोजमर्रा के काम नहीं हो सके।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 जनवरी 2025 शनिवार

सम्पादकीय

अंतरिक्ष में बड़ी छलांग

नये साल की शुरुआत के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने ऐतिहासिक कामयाबी हासिल कर ली। इसरो ने 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' यानी स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की अंतरिक्ष में डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इस सफलता के बाद अब भारत अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना सकता है। इस ऐतिहासिक कामयाबी से भारत अमेरिका,रूस व चीन के बाद यह लक्ष्य हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इस मिशन की कामयाबी से भारत के चंद्रयान–4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे मिशनों का भविष्य तय हुआ है। जहां चंद्रयान–4 मिशन से चंद्रमा की मिट्टी के नमूने भारत लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन के जरिये भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा जा सकेगा। दरअसल, स्पेडेक्स दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के लिये एक किफायती प्रौद्योगिक मिशन है। गत तीस दिसंबर को इसरो ने इस प्रयोग को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसके अंतर्गत दो छोटे उपग्रहों को पीएसएलवी सी–60 के जरिये श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के 15 मिनट बाद 220 किलो वजनी दो छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया गया था। बीते कल डॉकिंग के बाद एक सिंगल ऑब्जेक्ट के रूप में स्पेसक्राफ्ट का नियंत्रण सफलता पूर्वक किया गया। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पॉवर स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया जाएगा। दरअसल, अंतरिक्ष में डॉकिंग का मतलब है दो अंतरिक्ष यानों को आपस में जोड़ना। इस डॉकिंग प्रक्रिया को धरती से संचालित किया गया था। कालांतर ये दोनों उपग्रह अपने पेलोड के ऑपरेशन शुरू करेंगे। ये दो साल तक मूल्यवान डेटा इसरो को भेजते रहेंगे। निश्चित रूप से यह प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, बिना गुरुत्वाकर्षण के बीच तेज गति से घूम रहे उपग्रहों को आपस में जोड़ना बेहद कठिन कार्य होता है। लेकिन भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की मेधा से यह संभव हुआ है।

बहरहाल, इस मिशन की सफलता ने आने वाले समय में गगनयान मिशन, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने व भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्री भेजने के अभियान की सफलता की राह सुगम कर दी है। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के बाद वहां आने–जाने के लिये भी डॉकिंग तकनीक उपयोगी साबित होगी। वहीं दूसरी ओर सैटेलाइट सर्विसिंग, इंटरप्लेनेटरी मिशन और इंसान को चंद्रमा पर भेजने के लिये भी यह तकनीक जरूरी थी। निस्संदेह, यह अभियान खासा चुनौतीपूर्ण था। गुरुवार को मिली सफलता से पहले सात और नौ जनवरी को तकनीकी कारणों से इस मिशन को टाला गया था। फिर बारह जनवरी को इसरों ने एक परीक्षण किया था, जिसमें दोनों उपग्रहों को तीन मीटर तक की दूरी तक लाया गया था। इसके बाद आगे के प्रयोगों के लिये सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय वैज्ञानिकों ने खुद का डॉकिंग मैकेनिज्म विकसित किया। इस बेहद जटिल व संवेदनशील तकनीक को अब तक कामयाब हुए देशों ने भारत को नहीं दिया था। इसीलिए इसरो ने इसे 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' नाम देकर पेटेंट भी करा लिया है। निश्चय ही यह भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धि का गौरवशाली क्षण बना है। यह हमारी अंतरिक्ष में एक लंबी छलांग भी है। वाकई इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है। जो आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अतंरिक्ष मिशनों की राह सुगम बनाएगा। निश्चित रूप से अब आने वाले सामरिक व रणनीतिक लक्ष्यों के लिये अंतरिक्ष में कामयाबी निर्णायक साबित हो सकती है। भारतीय वैज्ञानिकों की यह कामयाबी नई उम्मीद जगाती है। अंतरिक्ष में दबदबा बनाने के लिये अमेरिका व चीन में कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। दोनों चंद्रमा पर अपना वर्चस्व बनाने की होड़ कर रहे हैं। पिछले दिनों चीन ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के अंतरिक्ष बल द्वारा जापान में एक इकाई तैनात करने से वैश्विक रणनीतिक स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है। हालांकि खुद बीजिंग भी अंतरिक्ष में अपनी सैन्य क्षमताओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। यह भारत के लिये भी चिंता की स्थिति है। ऐसे में भारत को अपने अत्याधुनिक अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति देने में कोई ढील नहीं देनी चाहिए।

संगम और प्रयागराज के दर्शनीय स्थल

–समीर चौधरी–

संगम त्रिवेणी के पास स्थित इलाहाबाद किला 1583 में मुगल सम्राट अकबर द्वारा बनवाया गया था। इस किले के अंदर कुछ खास स्थान लोगों के लिए खुले हैं, जैसे सरस्वती कूप और अक्षय वट। किले का वास्तुकला और यहां स्थित अशोक स्तंभ और पातालपुरी मंदिर को देखना एक अनूठा अनुभव है।

महाकुंभ के अलौकिक, धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव के लिए प्रयागराज, की यात्रा एक अद्भुत अनुभव है। प्रयागराज, जो अब सड़क और रेल मार्गों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, देश के किसी भी कोने से आसानी से पहुंचा जा सकता है। महाकुंभ के आयोजन के कारण यातायात सुविधाओं को और बेहतर बना दिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कोई परेशानी नहीं होती।

संगम की अनूठी छटा

संगम त्रिवेणी वह पवित्र स्थल है जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों का संगम होता है। यहां गंगा और यमुना के पानी का मिलन अद्भुत रूप से दिखाई देता है, जहां दोनों नदियां समानांतर बहती हुई प्रतीत होती हैं। यह दृश्य अत्यंत मनोहर और चमत्कारी है। संगम पर धार्मिक क्रियाएं सम्पन्न करने के बाद यमुना पुल पर चढ़कर, वहां से त्रिवेणी संगम का दृश्य एक नई दिशा में नजर आता है। विशेषकर सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यह दृश्य अत्यधिक आकर्षक होता है।

महाकुंभ के कारण प्रयागराज का यह धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि यहां के अन्य ऐतिहासिक स्थल भी दर्शनीय हैं। संगम त्रिवेणी के पास स्थित इलाहाबाद किला 1583 में मुगल सम्राट अकबर द्वारा बनवाया गया था। इस किले के अंदर कुछ खास स्थान लोगों के लिए खुले हैं, जैसे सरस्वती कूप और अक्षय वट। किले का वास्तुकला और यहां स्थित अशोक स्तंभ और पातालपुरी मंदिर को देखना एक अनूठा अनुभव है।

अगर आप प्रयागराज में हैं और आपने आनंद भवन नहीं देखा तो समझो कुछ नहीं देखा। आनंद भवन आज तो एक म्यूजियम है, लेकिन देश की आजादी से पहले यह नेहरू परिवार का पैतृक निवास था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम को और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन व संघर्षों को समझने के लिए आनंद भवन सबसे अच्छी जगह है। आनंद भवन में जवाहर प्लैनेटेरियम भी है, जिसका उद्देश्य अवाम में साइंटिफिक टेम्पर विकसित करना है, खगोलशास्त्र व विज्ञान के शोज के जरिये। इस भवन को मोतीलाल नेहरू ने 1930 में खरीदा था और 1970 में उनकी पोती व तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसे भारत सरकार को दान कर दिया था।

प्रयागराज में एक अन्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल खुसरो बाग है। इस बाग में शहजादा खुसरो, उनकी राजपूत मां और बहन के मकबरे हैं। खुसरो सम्राट जहांगीर के सबसे बड़े पुत्र थे। खुल्दाबाद में प्रयागराज रेलवे जंक्शन के निकट 40 एकड़ में फैले इस बाग का भारत के स्वतंत्रता संग्राम से भी संबंध है, इसलिए इसे राष्ट्रीय महत्व की भारतीय साइट के तौर पर लिस्ट किया गया है। इसका आर्किटेक्चर गजब का है। इसके शांत वातावरण में बैठे हुए अंग्रेजी के कवि थॉमस ग्रे की कालजयी कविता 'स्टेनजा रिटन इन ए कंट्री चर्चयार्ड' याद आ जाती है, जो उन्होंने एक गांव के कब्रिस्तान में बैठकर लिखी थी और जीवन व मृत्यु पर मंथन करते हुए बताया था कि आप दुनिया में रहते हुए कितने ही अच्छे या बुरे काम कर लीजिये, लेकिन यह जीवन इतना छोटा है कि सबको आखिरकार अपनी कब्रों में सोना ही पड़ता है और फिर केवल यादें ही शेष रह जाती हैं। इसलिए इंसान को जो छोटा–सा जीवन मिला है, उसमें बेहतर है कि वह अच्छे कर्म करे और लालच व हवस को त्याग दें।

धीरे–धीरे चलते हुए अपने पापों का प्रायश्चित करने के लिए प्रयागराज के अलोपीबाग स्थित अलोपी देवी मंदिर पहुंच जाइए। यह मंदिर सती की पौराणिक कथा से संबंधित है, जिस वजह से यह शक्तिपीठ है। इस मंदिर में किसी मूर्ति की पूजा नहीं होती है बल्कि लकड़ी का एक पालना है जिसके प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है।

मान्यता यह है कि जिस जगह मंदिर है वहां पर मां सती के दाहिने हाथ का पंजा गिरा था। गिरने के बाद वह विलुप्त हो गया था, जिस वजह से मंदिर का नाम अलोप शंकरी पड़ा। स्थानीय लोग इस अलोपी देवी मंदिर के नाम से जानते हैं। बताया जाता है कि पालने की पूजा–अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। आप पालने पर जल चढ़ाने के बाद मंदिर की परिक्रमा और सभी इंसानों के लिए अमन, चौन व खुशियों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। नवरात्र के दौरान यहां मेला लगता है और जिस व्यक्ति की मनोकामना पूरी हो जाती है वह मां को हलवा पूड़ी का भोग अर्पित करता है और कड़ाही भी चढ़ाता है। इ.रि.सें.

मेटा की माफी और सोशल मीडिया को कड़ा सन्देश

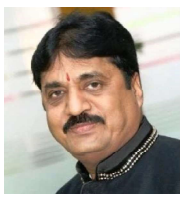

–ललित गर्ग–

फेसबुक के लिये भारत एक संभावनाओं भरा बड़ा बाजार होने के बावजूद उसकी भारत के प्रति सोच भ्रामक, विवादास्पद एवं नकारात्मक रही है। फेसबुक और मेटा भारत के तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर विवादों में घिरती रही हैं। हाल ही में मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग एक बार फिर भारत को लेकर दिये गलत बयान के मामले में फंस गए हैं। जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि कोरोना के बाद दुनिया के कई देशों में मौजूदा सरकारें गिर गईं। भारत के लोकसभा चुनाव में भी नरेन्द्र मोदी सरकार हार गई। यह जनता का सरकारों में घटता भरोसा दिखाता है। इस बयान के बाद संसद की आईटी एंड कम्युनिकेशन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि इस गलत बयान पर कंपनी को माफी मांगनी चाहिए। वरना हमारी समिति उन्हें मानहानि का नोटिस भेजेगी। भारत सरकार की सख्त आपत्ति को देखते हुए भले ही मेटा ने माफी मांग ली हो, लेकिन मार्क भरोसे के लायक नहीं है। यह माफी जहां जरूरी थी वही अब स्वागतयोग्य भी है। लेकिन मार्क का भारत के प्रति नजरिया गैर जिम्मेदाराना, लापरवाहीपूर्ण एवं दोषपूर्ण है। ऐसी निरंकुश सोच एवं उच्छृंखल मानसिकता की बुनियाद पर संबंधों की खड़ी होने वाली ईमारत खोखली एवं विनाशकारी ही होती है।

यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि भाजपा की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की एवं सफलतापूर्वक सरकार को चला रही है। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और न केवल देश में बल्कि दुनिया में भारत का परचम फहरा रहे है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? क्या वह जानबूझकर भारत सरकार के बारे में गलत सूचनाएं फैला रहे हैं? क्या यह शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्रों के साथ–साथ वहां की बड़ी आर्थिक शक्तियों की भारत के प्रति विरोधाभासी दुर्भावना नहीं है। कैसे मान लिया जाये कि यह गलती अनजाने में हुई है? क्या दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया मंच फेसबुक को संभालने वाली इतनी बड़ी कंपनी के मालिक से ऐसी गलती की उम्मीद की जा सकती है और ऐसी गलती उनको शोभा देती है कि वह भारत जैसे देश के चुनाव परिणाम से परिचित न हों? अगर यह गलती जुकरबर्ग से भूल या अनजाने में हुई है, तो भी यह गंभीर बात है।

मेटा इंडिया भी जुकरबर्ग की ही कंपनी है, जिसके एक आला अधिकारी ने कहा है कि अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी समूह मेटा के लिए भारत एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण एवं संभावनाभरा खास देश बना हुआ है। मेटा अपने व्यापार को भारत में विस्तारित करने के लिये विभिन्न योजनाओं पर काम भी कर रहा है। भारत मेटा के लिए बहुत अहम देश है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा चेन्नई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कैंपस में भारत में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च 2024 में जामनगर में हुए बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की प्री वेडिंग फंक्शन में जुकरबर्ग शामिल हुए थे। तभी उन्होंने रिलायंस के साथ इसको लेकर एक समझौता किया था। इस तरह मेटा के लिए भारत अहम है, तो इसके मालिक को भारत का नाम बहुत संभलकर एवं सोच समझकर लेना चाहिए। वैसे भी भारत सरकार अमेरिका, यूरोपीय देशों या चीन की तरह आक्रामक एवं उग्र नहीं है। आक्रामक देशों में तो सरकारें फेसबुक या मेटा की गलतियों पर उसे न केवल सबक सीखाती है बल्कि कई बार ऐसी गलतियों के चलते कंपनियों को भारी जुर्माना भी चुकाना पड़ता है। उन देशों की कड़ाई का ही नतीजा है कि सोशल मीडिया कंपनियां इन देशों में बहुत सजग रहती हैं, जबकि भारत के मामले में उनकी नीति बदल जाती है। भारत की उदारता का ये कंपनियां अधिकतम दुरुपयोग करना चाहती हैं। भारत को भी उदारता, सरलता एवं लचीलेपन की जगह कठोर एवं सख्त रवैया अपनाना चाहिए क्योंकि भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनने के साथ दुनिया में अपनी एक स्वतंत्र एवं ठोस जगह बना चुका है। जुकरबर्ग से जुड़ा यह ताजा मामला ऐसे ही लोगों के लिये एक सबक एवं चेतावनी बनना चाहिए। भारत सरकार को चाहिए कि वह ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मालिकों और अधिकारियों को चेतावनी के शब्दों में सचेत कर दे कि वे भारत के महत्व को समझें, पर्याप्त सजग एवं सावधान रहें। भारतीयों को पता है कि साल 2019 में अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन ने उपयोगकर्ता की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए फेसबुक पर पांच अरब डॉलर का जुर्माना लगाया था।

मेटा प्रमुख मार्क के भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी प्रतिक्रिया दी और इसे "गलत जानकारी" करार देते हुए तथ्य और विश्वसनीयता बनाए रखने का आह्वान किया। मेटा के पब्लिक पॉलिसी के वाइस प्रेसिडेंट, शिवनाथ ठुकराल ने अश्विनी वैष्णव के पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, "मार्क जुकरबर्ग का यह कहना कि 2024 के चुनावों में कई देशों में सत्ताधारी पार्टियां फिर से नहीं चुनी गईं, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी मांगते हैं। भारत मेटा के लिए बेहद महत्वपूर्ण देश है और हम इसके इनोवेशन से भरे भविष्य का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।" भारत को अपना बाजार मानने वाले मेटा के लिये ऐसी भूल अनायास या जानबूझकर जैसे भी हो, होना दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि भारत जैसे सशक्त एवं ताकतवर लोकतांत्रिक देश के लिये गलत जानकारी प्रसारित करना देश की छवि को धूमिल करती है। यह तो भारत की उदारता, सहिष्णुता एवं भलमनसाहत है कि उसने ऐसी अक्षम्य गलती पर भी माफी से संतोष कर लिया, वरना भारी जुर्माना या अन्य कठोर सजा के प्रावधान हो सकते थे। फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। लेकिन इसके लिये समाज को नुकसान पहुंचाना कैसे जायज हो सकता है? इस तरह की गैर जिम्मेदारी एवं लापरवाही खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। ताजा विवाद को सरकार ने गंभीरता से लिया है, यह अच्छी बात है। लेकिन जरूरी है कि चिंता इसी मामले तक सीमित न रहे। हेट स्पीच, तथ्यों को तरोड़मरोड़ कर प्रस्तुत करना और फेक न्यूज के ऐसे अन्य मामले भी राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सरकार की सख्ती जहां मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बनाये वहीं अन्य मंचों के लिये भी सबक बने।

साइबर ठगी और कानूनी मदद

श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

आजकल के हाई प्रोफाइल ठग एपीके फाइल के माध्यम से ठगी को अंजाम दे रहे हैं। इस प्रक्रिया में ओटीपी शेयर करने की जरूरत नहीं पड़ती। इधर आपने एपीके फाइल को इंस्टॉल किया और उधर आपका अकाउंट खाली हो जाएगा। मध्यप्रदेश के रीवा में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां एक होमगार्ड की पत्नी के बैंक अकाउंट से 80 हजार रुपए ठगों ने निकाल लिए है।ठग सरकारी योजनाओं से जुड़ी हुई एपीके फाइल भेजकर उपभोक्ता को लाभ पाने का प्रलोभन देते है।

मोबाइल का एक्सेस साइबर ठग के पास चला जाता है आपके व्हाट्सएप पर भेज कर डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही आप उसे डाउनलोड करते हैं। आपके मोबाइल का एक्सेस साइबर ठग के पास चला जाता है। संबंधित व्यक्ति को उसकी जानकारी भी नहीं लग पाती। जब व्यक्ति के खाते से पैसे कटना शुरू हो जाते हैं तो उसे पता लगता है कि मेरे साथ फ्रॉड हो गया है।ऐसी हालत में यदि एपीके फाइल को इंस्टॉल कर लिया है तो मोबाइल के डाटा को तुरंत बंद करें ,अच्छा तो यही है कि एपीके फाइल को बिल्कुल भी डाउनलोड ना करें। अगर डाउनलोड करने के बाद गलती से इंस्टॉल भी कर लिया है तो मोबाइल के डाटा को तुरंत बंद करें। मोबाइल के डाटा को ऑफ करने के बाद तुरंत मोबाइल को रिसेट कर दें। ताकि आपकी कोई भी निजी जानकारी या बैंक डिटेल साइबर ठग को ना मिल पाए।वही इन दिनों डिजिटल अरेस्ट का भी एक तरीका सामने आया है। जिसमें पुलिस अधिकारी या सीबीआई अफसर बनकर लोगों को डराया और धमकाया जाता है। फिर उनसे पैसों की डिमांड की जाती है।

साइबर फ्रॉड करने का तीसरा सबसे बड़ा तरीका है। जिसमें कोई ठग लड़की आपको वीडियो कॉल करती है, फिर अपने कपड़े उतारने लगती है। जब तक संबंधित व्यक्ति कुछ समझ पाता है। उसकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली जाती है। फिर वीडियो वायरल करने के बदले उनसे पैसों की डिमांड की जाती है। सामने वाला व्यक्ति प्रतिष्ठा और सम्मान की वजह से ठगों के चंगुल में फंस जाता है और उन्हें पैसे देना शुरू कर देता है। वही बुलंदशहर जिले के औरंगाबाद कस्बे के एक बड़े व्यापारी के बैंक खाते से साइबर ठग ने बिना ओटीपी लिए ही 17 लाख 70 हजार रुपए को अपने खाते में ट्रांसफर कर लध्यिा। व्यापारी के स्टेटमेंट देखने पर ठगी की जानकारी हुई। व्यापारी ने बैंक प्रबंधक और थाना पुलिस से शिकायत की है। औरंगाबाद निवासी राजेश कुमार की मोहित अग्रवाल पेंट्स एंड हार्डवेयर की पुरानी सब्जी मंडी में दुकान है। जिनका खाता औरंगाबाद के पंजाब नेशनल बैंक में दामोदर दास अशोक कुमार अग्रवाल के नाम से फर्म का करंट खाता खुला हुआ है।व्यापारी राजेश कुमार के अनुसार उनके फर्म खाते में 17 लाख 74 हजार रुपए थे। साइबर ठगों ने खाते को क्लोन कर इस अकाउंट नंबर पर ऑनलाइन बैंकिंग सेवा चालू करा ली। व्यापारी का आरोप है कि उन्होंने ऑनलाइन बैंकिंग सेवा लेने के लिए बैंक में अप्लाई नहीं किया था। फिर भी फर्म के अकाउंट पर ऑनलाइन सेवा चालू होते ही साइबर ठग ने कई लगातार ट्रांजेशन करके खाते से 17 लाख 70 हजार दस रुपए खाते से निकाल लिए है।व्यापारी का कहना है कि उनके पास न तो कोई ओटीपी ही आई और न ही खाते से रकम कटने का कोई मेसेज आया है। पीड़ित को खाते की स्टेटमेंट देखने पर घटना की जानकारी हुई। पीड़ित व्यापारी ने बैंक प्रबंधक के साथ थाना पुलिस से शिकायत की है।इसी तरह से बिना ओटीपी आए और बिना किसी एसएमएस के मोबाइल हैक कर अकाउंट से 40 लाख निकाल लिए । साइबर फ्रॉड का यह मामला एक बिजनेसमैन से जुड़ा है। उनकी नरेला में एक बड़ी कंपनी है। ठगी का शिकार हुए कमल प्रसाद जैन ने बताया कि 31 अगस्त की रात करीब 10 बजे उनके फोन पर एक मेसेज आया जो उनके एचडीएफसी बैंक खाते के बारे में था। मेसेज में बताया गया कि आपने नए सिम कार्ड के लिए अप्लाई किया है। सिम कार्ड को जल्द ही आपके पास भेज दिया जाएगा। मेसेज को देखकर वह हैरान रह गए क्योंकि उन्होंने कोई ऐसा सिम कार्ड मंगवाया ही नहीं था। इसलिए उनको लगा कि मेसेज बेकार का है।लेकिन मेसेज मिलने के तुरंत बाद ही फोन ने काम करना बंद कर दिया। उन्हें लगा कि नेटवर्क प्रॉब्लम हो सकती है इसलिए कंपनी को फोन भी नहीं किया।फिर एक सितंबर को जब कंपनी में संपर्क किया तो पता चला कि उनको अपनी कंपनी के लेटरहेड पर लिखकर नया सिम कार्ड लेने की बात लिखकर देनी होगी। उन्होंने ऐसा ही किया।उन्होंने अपने एक कर्मचारी को कंपनी के लेटरहेड पर नए सिम कार्ड के लिए अनुरोध के साथ सिम कार्ड स्टोर भेजा। इसके बाद स्टोर द्वारा एक नया सिम कार्ड जारी किया गया। अगले ही दिन वह जब नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा स्थित एचडीएफसी बैंक गए तो बैंक कर्मचारियों ने बताया कि एक सितंबर को खाते से आठ ट्रांजेक्शन हुई हैं। इसमें 41 लाख रुपये निकाले गए हैं। इस बात से वे हैरान रह गए क्योकि उनके फोन पर न तो पैसे निकलने का कोई ओटीपी आया और न ही कोई मेसेज। उनको पता चला कि उनके फोन को हैक करने के बाद किसी ने उनके नंबर पर नया सिम कार्ड ऑनलाइन ले लिया था जिससे वारदात को अंजाम दिया गया है।इसलिए जरूरी है कि सावधानी बरतें और अपने आधार कार्ड,पैन कार्ड,खाता संख्या आदि किसी को शेयर न करे साथ ही यदि ठगी हो गई है तो तत्काल पुलिस व साइबर सेल को सूचित कर दे और यदि बैंक की लापरवाही से ठगी हुई है तो सेवा में कमी के लिए हुए नुकसान की बाबत उपभोक्ता अदालत में परिवाद योजित कर अनुतोष प्राप्त किया जा सकता है।

आंदोलन के बीच किसानों में बांटा गया 200 करोड़

संवाददाता—देवरिया। शहर में बढ़ती जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए बनने वाले देवरिया बाइपास में प्रभावित किसानों को वर्तमान सर्किल रेट के तहत मुआवजा देने की मांग को लेकर किसान संगठन आंदोलन पर है। इनसब के बीच जिला प्रशासन की तरफ से लगभग 2200 किसानों में 200 करोड़ रुपये मुआवजे की रकम बांट दी गई है। बचे हुए 245 करोड़ मुआवजे की रकम भी जल्द ही अन्य प्रभावित किसानों में बांटने की प्रशासन की तैयारी है। शहर में जाम को देखते हुए सिरजम खास, इटवा, बैतालपुर बलुआ, बरारी, गौरा, भीमपुर, गोबराई, धनौती खुर्द, कुसम्हा बेलवा, रामपुर खुर्द, पगरा उर्फ परसिया समेत अन्य गांवों से होकर देवरिया बाइपास का निर्माण होना है। इससे लगभग 4300 किसान प्रभावित हो रहे हैं। मुआवजे की रकम किसानों को देने के लिए 445 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। किसानों को वर्तमान सर्किल रेट से मुआवजा देने की मांग किसान संगठन कर रहे हैं और आए दिन किसानों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। किसानों के आंदोलन के बीच जिला प्रशासन की तरफ से किसानों में 200 करोड़ रुपये मुआवजे की रकम बांट दी गई है। लगने वाले जाम से लोगों को निजाम मिल जाएगा। सलेमपुर, बलिया, मऊ, आजमगढ़, बरहज, बिहार समेत अन्य जगहों पर जाने वाले वाहन बाहर से ही निकल जाएंगे। उन्हें शहर में आने की जरूरत नहीं होगी।

एसपी को शिकायत पत्र देकर किन्नरों पर लगाया गद्दी से हटवाने के षड्यंत्र का आरोप

संवाददाता—देवरिया। स्थानीय थाना क्षेत्र की रहने वाली रूबी किन्नर ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर अपने खिलाफ दूसरे किन्नरों द्वारा षड्यंत्र और साजिश रचने का आरोप लगाते हुए जांच करने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र में रूबी किन्नर का कहना है कि वह शुभ कार्य में बधाई गीत गाने का कार्य करती है। गौरी बाजार क्षेत्र की रहने वाली काजल किन्नर की हत्या कुछ असामाजिक तत्वों ने कर दी थी। उनकी गद्दी हथियाना के लिए मुकदमे में फंसा दिया गया। उनकी टीम के ही बीरबल निषाद उर्फ सुंदरी, राकेश गुप्ता उर्फ हसीना, स्वीटी, टीना, माला, रुबीना लोग फर्जी किन्नर बनकर बधाई मांगते हैं। सभी पुरुष हैं। साजिश के तहत गद्दी को हड़पना चाहते हैं। डुमरी में गुरु सूर्यमुखी की समाधि थी।

संगोष्ठी आयोजित कर बाबा साहब के मूल्यों को किया याद

संवाददाता—देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान गौरव कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को ब्लॉक क्षेत्र के रजडीहा गांव में संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि भाजयुमो के प्रदेश मंत्री दीपक मल्ल तथा विशिष्ट अतिथि जिला मंत्री अभिषेक जायसवाल समेत कार्यकर्ताओं ने डॉ भीम राव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। दीपक मल्ल ने कहा कि आज विपक्ष के द्वारा भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया जा रहा है कि वह भीमराव आंबेडकर का अपमान कर रही है। संविधान खतरे में है, जबकि सच्चाई यह है कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा बाबा साहब को सबसे ज्यादा सम्मान दिया गया। बाबा साहब को भारत रत्न देने का भी काम भाजपा के नेतृत्व में बनी सरकार के द्वारा किया गया। जिला मंत्री अभिषेक जायसवाल ने कहा कि आज देश में मोदी सरकार ग्रामीण स्तर पर विभिन्न योजनाएं भीमराव अंबेडकर के नाम पर चलाई जा रही है। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष पुनीत यादव व संचालन शेषनाथ भाई ने किया।

ट्रक ने बाइक को मारी ठोकर, पिता की मौत, दो बेटियां गंभीर

संवाददाता—देवरिया। क्षेत्र के भीमपुर गौरा के समीप शुक्रवार की दोपहर बाइक को ट्रक ने ठोकर मार दिया। जिससे बाइक सवार 44 वर्षीय युवक की मौत हो गई, वहीं दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के लिए दोनों को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां से एक की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। बरियारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लाहिलपार के रहने वाले 44 वर्षीय सत्यप्रकाश यादव की दोनों बेटी 21 वर्षीया माला व 19 वर्षीया माधुरी का डा.राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय शाहपुर रामपुर कारखाना में डीएलएड में नामांकन होना था। इसलिए वह अपनी दोनों बेटियों को लेकर बाइक से महाविद्यालय पहुंचे, जहां सभी प्रपत्र भरने के बाद महाविद्यालय प्रशासन की तरफ से दोनों बेटियों का नोटरी तैयार कराकर शनिवार को लाने व नामांकन कराने की बात कही गई। इसके बाद वह अपनी बाइक से दोनों बेटियों को लेकर देवरिया आ रहे थे। अभी वह भीमपुर गौरा के समीप पहुंचे थे कि ट्रक ने ठोकर मार दिया। जिससे बाइक सवार तीनों लोग गिर गए। आसपास के लोगों ने सत्य प्रकाश व उनकी दोनों बेटियों को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया, जहां सत्य प्रकाश को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं माला की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

एसपी ने परखी शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक ने समस्त थानों के आईजीआरएस नोडल अधिकारी व कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक में लंबित थाना वार शिकायतों की समीक्षा की और निस्तारण की गुणवत्ता की भी जांच की। बैठक का आयोजन पुलिस कार्यालय सभागार में शुक्रवार को हुआ। बैठक में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सभी लंबित आईजीआरएस जनशिकायतों का थानावार विवरण प्राप्त कर उसकी समीक्षा की। साथ ही थानों व क्षेत्राधिकारी कार्यालयों पर नियुक्त आईजीआरएस पोर्टल पर कार्य करने वाले समस्त पुलिस कर्मियों की ओर से निस्तारित की गई शिकायतों की गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान एसपी ने सभी पुलिस कर्मियों से आईजीआरएस फीड बैक के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा समस्याओं के समाधान के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में कोई भी आईजीआरएस डिफाल्टर न होने पाए। सभी जनशिकायती प्रार्थना पत्रों की जांच अधिकारी की ओर से मौके पर जाकर किया जाय। आवेदक का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है। फीडबैक टीम की ओर से आवेदक से जरिये फोन फीडबैक लिया जाय और सभी थाना प्रभारियों को असंतुष्ट आवेदकों की समस्या के निस्तारण के लिए जांचकर्ता अधिकारी के साथ मौके पर जाकर संतुष्ट करना होगा। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ भिनगा संतोष कुमार, सीओ इकौना सतीश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

नष्ट किए गए चाइनीज लहसुन के लिए मची लूट, खोदकर उठा ले गए लोग

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा में शुक्रवार को जांच में फेल चाइनीज लहसुन को लूटने की होड़ मच गई। कस्टम ने इसी लहसुन को एमआरएफ सेंटर में जेसीबी से गड्ढे में दबवाकर नष्ट कर दिया था। मौका देख मौके पर बड़ी संख्या में आसपास के लोग जुट गए और खोद—खोदकर नष्ट किए गए लहसुन को उठा ले गए। लहसुन लूटने की इस कदर होड़ मची कि कई घंटे एमआरएफ सेंटर में लोगों का जमावड़ा लगा रहा। तस्करी के जरिए भारतीय सीमा में लाया जा रहा चाइनीज लहसुन सीमा पर तैनात एजेंसियों द्वारा पकड़े जाने के बाद कस्टम की सुपुर्दगी में दिया जाता है। कस्टम की ओर से इसे लैब जांच में भेजा जाता है। रिपोर्ट आने के बाद कस्टम विभाग इसे नष्ट करने की कार्रवाई करता है। इसी नष्ट किए लहसुन को बटोरने के लिए लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं। गड्ढा खोदकर दफन किए हुए लहसुन को लोग बाहर निकलते हैं और उसे साफ कर खाने में इस्तेमाल करते हैं। बहुत सारे लोग बाजारों में भी बेच दे रहे हैं।

कस्टम द्वारा नष्ट कराए गए चाइनीज लहसुन को खोदकर लोग उठा ले गए। बहुतों के घर में यह लहसुन पहुंचा तो कुछ लोगों ने कम दाम में बाजार में बेच दिया। जमीन से निकालकर साफ किया हुआ लहसुन बाजार में भी पहुंच गया और वहां से लोगों के किचेन में पहुंचेगा, जबकि जांच में साफ तौर पर इसे सेहत के लिए हानिकारक बताया गया है।

कस्टम विभाग ने गुरुवार को 820 बोरा लहसुन एमआरएफ सेंटर में नष्ट कराया था। इसी लहसुन को लोग झोले व बोरे में भरकर उठा ले गए।

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के लोन ऑफिसरों ने 2.60 लाख किया गबन

संवाददाता—महराजगंज। शहर स्थित एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी में तैनात दो लोन ऑफिसरों ने कंपनी के उपभोक्ताओं से 2.60 लाख बकाया वसूली कर गबन कर लिया है। पुलिस कंपनी के एक कर्मी की तहरीर पर दो लोन ऑफिसर सहित तीन के विरुद्ध केस दर्ज किया है। एक आरोपी कुशीनगर जिले का रहने वाला है।

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मी विनोद कुमार दुबे निवासी दोहरीघाट मऊ ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि श्री फिन क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड माइक्रो फाइनेंस कंपनी का मुख्यालय हैदराबाद हाईटेक सिटी में है। कंपनी की एक शाखा निचलौल कस्बे में संचालित थी, जो वर्तमान में सिसवा बाजार में संचालित है। जहां पर कुशीनगर जिले के हाटा थाना क्षेत्र अंतर्गत भरसार खास निवासी करन यादव और निचलौल थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी अवनीश कुमार लोन ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। आरोप है कि दोनों लोन ऑफिसर कंपनी में कार्य करने के दौरान 9 दिसंबर 2024 को कंपनी के बकाएदार उपभोक्ताओं से 260103 रुपये पूर्ण भुगतान के रूप में वसूली किया था। उसके बाद उक्त वसूली की रकम को दोनों लोन अफसरों ने कंपनी को धोखे में रखते हुए गबन कर ली। इतना ही नहीं रकम गबन करने के बाद दोनों कंपनी छोड़ फरार हो गए। रकम वसूली कर गबन करने के मामले में कंपनी के संबंधित अधिकारियों की ओर से दोनों लोन ऑफिसरों के मोबाइल फोन पर संपर्क करने पर उन्हें धमकी भी दी जा रही है। इन्होंने कहा कि अभी कंपनी के अधिकारियों की ओर से आडिट की जा रही है, यह धनराशि और बढ़ सकती है।

थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव कन्नौजिया के अनुसार, मामले में तहरीर के आधार पर माइक्रो फाइनेंस कंपनी के लोन ऑफिसर करन यादव निवासी भरसार खास थाना हाटा जिला कुशीनगर और अवनीश कुमार निवासी रामनगर थाना निचलौल के अलावा एक अन्य सहित तीन के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

मजार पर चादर चढ़ाकर मांगी अमन—चैन की दुआ

संवाददाता—महराजगंज। क्षेत्र के ग्राम सभा सिंदुरिया में हजरत ताजुद्दीन उर्फ झुम्मन शाह बाबा का 31वां सालाना उर्स पाक मनाया गया। अकीदतमंदों ने मजार पर चादर चढ़ाकर अमन—चैन की दुआएं मांगी। कार्यक्रम की शुरुआत हाफिज अब्दुल रज्जाक ने कुरान शरीफ की तिलावल के साथ की। मुख्य अतिथि कमरुज्जमा ने कहा फज्र की अजान होने पर घर के दरवाजों को खोल दिया करो और घर के सभी लोगों के साथ अल्लाह की इबादत में जुट जाओ। ऐसा करने से तुम्हारे घर में कभी भी किसी परेशानी में नहीं आएगी। मुसलमान होने की पहचान यही है सदा सत्य बोलो, कभी गलत का साथ न दो, किसी की बुराई मत करो। अपने घर की इज्जत को संभाल कर रखो। नये जमाने के फैशन के साथ रहन सहन पश्चिमी सभ्यता तुम्हारे जीवन को खराब कर देगी। मौलाना फजले हक ने कहा कि इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद के बताए हुए रास्ते पर चलो। रोज, नमाज, कलमा, जकात और हज इस्लाम धर्म की पांच बुनियादी ढांचे को मजबूती से पकड़ लो। पाप के रास्ते को छोड़ दो। तुम्हारी जिंदगी संवर जाएगी। हाफिज मोहम्मद अली, हाजी मौलाना मोहम्मद हुसैन निजामी ने कहा अपने बूढ़े माता—पिता कि सेवा करो। इस अवसर पर राम हरख गुप्त, प्रेम सागर गुप्ता, रघुनाथ पटेल, राम नरायन पासवान, सदर अली रजा, प्रबंधक सहाबुद्दीन, हाजी मौलाना मोहम्मद हुसैन, निजामुद्दीन मौजूद रहे।

समस्त पृथ्वी प्राप्त करने के बाद भी मनुष्य की लोग वृद्धि समाप्त नहीं होती —राधेश्याम शास्त्री

—भारतीय बस्ती संवादाता—

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अंगद टीला पर आयोजित श्री राम कथा में व्यासपीठ से आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने बताया कि राम जन्म के असंख्य कारणों में जय विजय का श्राप भी है।जय विजय का वैकुंठ से पतन, जीव के पतन का प्रतीक है,जय विजय तो तीन जन्म में मुक्त हो गये,सामान्य जीव तो चौरासी लाख योनियों में भटकने के बाद भी मुक्त हो पायेगा कि नही ?तुलसी बाबा का आह्वान है श्री राम से जुड़े जल्दी मुक्ति मिलेगी।जय और विजय सर्वप्रथम हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के रूप में जन्म लेते हैं।हिरण्याक्ष लोभ का ही घनीभूत रूप जान पड़ता है।वह सारी पृथ्वी को चुरा लेता है।मित्रों! किसी भी व्यक्ति के भरण—पोषण के लिए,पृथ्वी का एक छोटा भाग पर्याप्त है,किन्तु आवश्यकता के भूमि की तो बात ही क्या,समक्ष पृथ्वी प्राप्त करने के बाद भी व्यक्ति की लोभ—बृत्ति समाप्त नहीं होती। पौराणिक मान्यता की दृष्टि से लक्ष्मी की भाँति पृथ्वी भी भगवान की पत्नी हैं।अतः समग्र जीव पृथ्वी के पुत्र हैं,किन्तुआसुरी बृत्ति वाले प्राणी पृथ्वी पर अधिकार और स्वामित्व का दावा करते हैं। ।हिरण्याक्ष के जीवन में यही बृत्ति अभिब्यक्त होती है।भगवान बराह रूप धारण कर हिरण्याक्ष का

बध करते हैं।समुद्र से पृथ्वी को निकाल कर विश्व को आधार प्रदान करते हैं।कोटि—कोटि ब्यक्ति पृथ्वी का प्रसाद पाकर धन्य होते हैं।इसलिए शास्त्र आदेश देते हैं कि प्रातःकाल उठने के पश्चात,पृथ्वी पर पैर रखने से पूर्व ब्यक्ति को निम्नांकित श्लोक से प्रणाम करना चाहिए। श्री महाराज जी बताते हैं अहंकार जीवन को नष्ट कर देता है इसीलिए मानव जीवन में मनुष्य को अहंकार नहीं करना चाहिए बल्कि सामान्य रूप से जीवन मापन करना चाहिए। श्री महाराज जी ने बताया कि बन्धुओं, किन्तु हिरण्याक्ष का बड़ा भाई हिरण्यकशिपु अभी जीवित था।वह मूर्तिमान ष्मदष् का प्रतीक है।अहंकार,लोभ का बड़ा भाई है।लोभी ब्यक्ति भी जानता है कि शारीरिक तृप्ति के लिए अधिक लोभ की आवश्यकता नहीं है।वस्तुतः लोभ के द्वारा ब्यक्ति अहं को सन्तुष्ट करने की चेष्टा करता है।हिरण्याक्ष के विनाश से हिरण्यकशिपु कोई शिक्षा ग्रहण नहीं करता।अतः अहंकार का ष्मदष् नाम सर्वथा सार्थक है।जैसे शराब पीकर ब्यक्ति वास्तविकता को सर्वथा भुला देता है,इसी प्रकार अहंकार—ग्रस्त ब्यक्ति पुराने इतिहास से कोई पाठ ग्रहण नहीं करता।

हिरण्यकशिपु,हिरण्याक्ष से भी आगे निकल जाता है।श्री राम कथा में डा अनिल मिश्र , प्रचारक गोपाल , इकबाल अंसारी, उमेश पोरवाल, रामशंकर , प्रदीप गुलशन,रचना शर्मा ,संत बेलूराम,कैप्टन बृजेश सिंह,प्रेमप्रकाश मिश्र, ओमप्रकाश पांडेय,रामबहादुर सिंह,आदि उपस्थित रहे।

थानेदार पर 50 हजार रुपए मांगने का आरोप, नहीं देने पर पिता-पुत्र की पिटाई

संवाददाता—कुशीनगर। जिले में थानेदार द्वारा व्यापारी से 50 हजार रुपए मांगने का आरोप लगा है, इतना ही नहीं जब व्यापारी के बेटे ने घटना का वीडियो बनाना शुरू किया तो दोनों की पिटाई भी की गई। रविंद्र नगर धूस थाना क्षेत्र के चौराखास गांव निवासी शिवपूजन चौहान व्यापारी हैं। उनका आरोप है कि 12 जनवरी को सुबह करीब आठ बजे पिकअप से सिकटा के तरफ से आ रहे थे। कुबेरस्थान थाना के सामने पुलिस ने गाड़ी रोका,मोबाइल में मौजूद कागज दिखाया तो उन्होंने ओरिजिनल कागज मांगा। व्यापारी ने बेटे को फोन किया। कुछ देर बाद उसका बेटा लाइसेंस का ओरिजिनल कापी लेकर थाने पर पहुंच गया। आरोप है कि कागज देखने के बाद भी 50 हजार रुपये की मांग की।

रुपये देने से मना करने पर थानाध्यक्ष गाली देने लगे इस पर व्यवसायी का बेटा मोबाइल में वीडियो बनाने लगा। यह देख थानाध्यक्ष भड़क गए और मोबाइल बंद करने की बात कहते हुए पिटाई कर उनका शांतिभंग में चालान कर दिया।एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीओ से जांच कराने का आश्वासन दिया।

उद्यम से बढ़ेंगे रोजगार, समृद्ध होगा हर परिवार

संवाददाता—महराजगंज। जागृति उद्यम केंद्र की ओर से जयप्रकाश नगर स्थित उपकेंद्र पर "महाराजगंज उद्यम उत्सव" का आयोजन किया गया। इसमें जिले भर से आए विभिन्न प्रकार के उत्पाद निर्माताओं ने हिस्सा लिया और उद्यमिता के सहारे जिले को समृद्ध बनाने का संकल्प लिया।

इन्क्यूबेशन निदेशक वीणा हनम सागर ने कहा कि जागृति अपने विभिन्न आयामों के माध्यम से पूरे देश में उद्यमिता को प्रोत्साहित कर रही है। हमारी 'जागृति रेल यात्रा' इस दिशा में विश्वव्यापी पहल है। इसके अलावा, पूर्वांचल में उद्यम को बढ़ावा देने के लिए देवरिया जिले के बरपार में जागृति उद्यम केंद्र की स्थापना की गई है, जिसके उपकेंद्र महाराजगंज समेत आसपास के 10 जिलों में संचालित हैं। इन उपकेंद्रों के माध्यम से हम स्थानीय उद्यमियों को सहयोग प्रदान कर उनके उद्यम को निखारने का कार्य कर रहे हैं।

उद्यम केंद्र के सह निदेशक विश्वास पांडेय ने कहा कि इस साल हमने महराजगंज में आठ अलग—अलग उद्यमों का चयन किया है। इनके साथ हम अपनी 7 एम प्रक्रिया के तहत पूरे एक साल काम करेंगे। उद्यमियों को मार्गदर्शन, वित्तीय मदद, मार्केटिंग, बाजार से जुड़ाव, और अनुकूल माहौल जैसी सुविधाएं प्रदान करेंगे। साथ ही, ऐसे मार्गदर्शक उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें देशदृविदेश की नामी कंपनियों के साथ काम करने का लंबा अनुभव है। कागजी प्रक्रियाओं की जटिलताओं और अन्य छोटी—बड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए जागृति की टीम हमेशा आपकी सहायता के लिए उपलब्ध रहेगी। व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष पशुपति नाथ गुप्ता ने कहा कि जागृति उद्यमियों को एक मंच पर लाने का सबसे बड़ा प्रयास है। जब हम साथ आएंगे, तो आपस में भी बहुत कुछ सीखेंगे। इस दौरान कंटेंट राइटर बैकुंठनाथ शुक्ल, उद्यम कोर पुष्कर आनंद, शाहजेब अली, उद्यम मित्र अजय कुमार वर्मा, सत्यम कुमार चौबे, उद्यमी सुमन गुप्ता, महावीर प्रजापति, रामलगन उपाध्याय, अनुभव मिश्रा, ज्ञानप्रकाश गुप्ता, सचिन मौजूद रहे।

ओटीएस के दो चरणों में हुई 67 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली

संवाददाता— गोंडा। ओटीएस के तहत देवीपाटन जोन के चारों जिलों में बकाया बिजली बिल के 67 करोड़ रुपये उपभोक्ताओं से जमा कराए गए हैं। सबसे अधिक बहराइच से 25 करोड़ से अधिक की धनराशि जमा हुई है। जबकि सबसे कम राजस्व वसूली श्रावस्ती में हो पाई है। ओटीएस का प्रथम और द्वितीय चरण पूरा हो चुका है। बृहस्पतिवार से तीसरा चरण शुरू हो गया है। मुख्य अभियंता एमपी सिंह ने बताया कि योजना के तहत बकाया बिजली बिल की वसूली की जा रही है। साथ ही मीटर में गड़बड़ी की शिकायत पर मीटर बदले जा रहे हैं। पुराने मामलों का भी इस योजना के तहत समाधान कराया जा रहा है।

एकमुश्त समाधान योजना के पहले और दूसरे चरण में कुल 66.98 करोड़ रुपये जमा कराए गए हैं। इनमें बहराइच में सबसे ज्यादा 25.33 करोड़, गोंडा में 21.93 करोड़, बलरामपुर में 19.72 करोड़ और श्रावस्ती में 6.38 करोड़ रुपये शामिल हैं। मुख्य अभियंता का कहना है कि ओटीएस का तीसरा चरण शुरू हो गया है।

ठंड से ओवरलोड हो गया पोषण पुनर्वास केंद्र, 12 कुपोषित भर्ती

संवाददाता—महराजगंज। कुपोषित बच्चों को स्वस्थ करने के लिए जिम्मेदार सक्रिय हो गए हैं। हालत ये हो गई कि बिते वर्ष दिसंबर में सुनसान चल रहा पोषण पुनर्वास केंद्र नए साल के दूसरे सप्ताह में ओवरलोड हो गया। दस बेड पर 12 कुपोषित बच्चे हैं। इन बच्चों को 14 दिन तक भर्ती कर निःशुल्क स्वस्थ किया जाएगा। जिला अस्पताल परिसर में दस बेड का पोषण पुनर्वास केंद्र(एनआरसी) संचालित है। एनआरसी में कुपोषित बच्चों को भर्ती कर निःशुल्क स्वस्थ किया जाता है। इसके लिए बाल रोग विशेषज्ञ, न्यूट्रीशियन, स्टाफ नर्स, केयरटेकर और रसोईया की तैनाती है। एनआरसी में कुपोषित बच्चों की जिम्मेदारी आगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के अलावा आशा को है। इसके लिए उन्हें यात्रा भत्ता मिलता है। बच्चों को देखभाल करने वाले तीमारदार को हर दिन भोजन के लिए भत्ता मिलता है। बावजूद कुपोषितों को एनआरसी में भर्ती कराने के लिए जिम्मेदार सक्रिय नही थे। हालत ये हो गई थी कि बिते दिसंबर में एनआरसी सुनसान हो गई थी। जिला प्रशासन की सख्ती के बाद जनवरी के दूसरे सप्ताह में जिम्मेदार सक्रिय हो गए। इसके चलते एनआरसी ओवरलोड हो गया है। सोमवार को दस बेड वाले एनआरसी में 12 कुपोषित भर्ती थे। इनमें जिला अस्पताल के ओपीडी में पहुंचे चार कुपोषित शामिल हैं। स्क्रीनिंग में कुपोषण की पुष्टि होने पर बाल रोग विशेषज्ञ ने एनआरसी में भर्ती कराया है। पोषण पुनर्वास केंद्र में एक बार में 14 दिन से लेकर 28 दिन तक कुपोषित बच्चों का इलाज किया जाता है। भर्ती के दौरान इलाज के साथ ही संतुलित आहार और विटामिन दिया जाता है। कुपोषण के आधार पर हर दिन अलग—अलग मीनू तैयार किया जाता है। बाल रोग विशेषज्ञ के सलाह पर मीनू दिया जाता है।

फार्मर रजिस्ट्री करना अनिवार्य, वरना किसान सम्मान निधि से हो जाएंगे वंचित

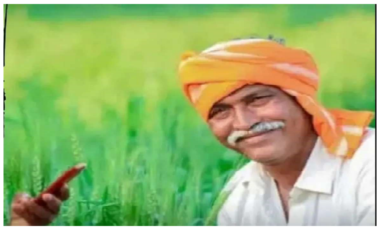

संवाददाता—बलरामपुर। किसानों को अब फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार ने इसके लिए 31 जनवरी 2025 की अंतिम तिथि निर्धारित कर दी है। किसान किसी भी जन सेवा केन्द्र रोजगार सेवक, लेखपाल, तथा कृषि बीज गोदाम पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। इसके अलावा किसान अपने मोबाइल फोन से भी फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। र जिले के उपनिदेशक कृषि ने बताया है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने के लिए अब किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि सभी कृषक बंधु से यह अपील की फार्मर रजिस्ट्री का आवश्यक रूप से करा लें क्योंकि फार्मर रजिस्ट्री की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2025 है। 15 दिन का समय और अवशेष बचा है। सभी कृषक जल्दी से जल्दी अपनी फॉर्मर रजिस्ट्री आवश्यक रूप से करा लें। जिससे आप की पीएम किसान की किस्त में किसी भी प्रकार की रुकावट न आए। इस रजिस्ट्री में कृषक व उसके पिता का नाम दर्ज होगा। उसके स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर आदि दर्ज होगा। सह खातेदार होने की स्थिति में गाटा में किसान का अंश और मोबाइल नंबर भी दर्ज कराना होगा। और सभी जमीनों का रिकॉर्ड आधार से लिंक कर दिया जाएगा इसके बाद किसानों का गोल्डन कार्ड बनाया जाएगा। प्रगति शील किसान भाई राजकीय कृषि बीज भण्डार पर भी इसका प्रशिक्षण लेकर अपनी ग्राम सभा में किसनो की फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। इससे लाभार्थी को केवल सम्मान निधि नही अपितु किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, एमएसपी बिक्री, कृषि अवसंरचना फंड जैसी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। यह तीनों ऐप डाउनलोड करने के बाद किसान थ्तउमत त्महपेजमतल न्च ऐप को खोलेगा और सर्वप्रथम साइन अप करके अपनी आईडी क्रिएट करेगा आईडी बनने के लिए यूजर आईडी में अपना मोबाइल नंबर और पासवर्ड 8 अंकों का डालेगा साइन अप होने के बाद फार्मा रजिस्ट्री एप पर जाकर साइन इन करेगा। यूजर आईडी पासवर्ड डालकर और दिए गए विवरण को ध्यान पूर्वक भरेगा। अंत में उसे सक्सेसफुली होने के पश्चात एनरोलमेंट नंबर प्राप्त होगा। आपका रजिस्ट्रेशन हो जाएगा।

आदेश के बाद भी प्रधानाचार्य व शिक्षक, नहीं पहुंचे स्कूल

बहराइच। तराई में जारी कड़ाके की ठंड को देखते हुए बीएसए आशीष कुमार सिंह ने कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय विद्यालयों में 18 जनवरी तक अवकाश घोषित किया है। इस दौरान बीएसए ने सभी प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को ससमय विद्यालय खोलने व विभागीय कार्यों को संपादित करने आदेश दिया है लेकिन बीएसए के इस आदेश की बृहस्पतिवार को जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। कई विद्यालयों में जहां प्रधानाध्यापक नदारद रहे तो कइयों में शिक्षामित्र व शिक्षक नहीं पहुंचे। बलहा विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय मलंगपुरवा की पड़ताल की गई। पड़ताल में सहायक अध्यापक शाइस्ता शमीम, शिक्षामित्र शाहीन फातिमा व साधना वर्मा विद्यालय में मौजूद मिली। लेकिन प्रधानाध्यापक मनोज कुमार शुक्ला नदारद रहे। इस संबंध में जानकारी लेने पर मौजूद स्टॉफ कोई जवाब नहीं दे सका। नवाबगंज विकासखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय भगतापुर गुलरहिया की पड़ताल में प्रधानाध्यापक विजय कुमार मौजूद रहे और विभागीय कार्य करते दिखे। वहीं, सहायक अध्यापक अनूप कुमार, शिक्षामित्र शेषमणि पाठक भी मौजूद रहे लेकिन शिक्षामित्र लक्ष्मी देवी नदारद रही। प्रधानाध्यापक इस संबंध में कुछ भी बता नहीं सके।

जरवल विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय सोनारी की पड़ताल में सिर्फ शिक्षामित्र निर्मल वर्मा उपस्थित रहे। वहीं प्रभारी शिक्षिका हिना रिजवी समेत अन्य कोई भी स्टॉफ मौजूद नहीं रहा। अनुपस्थित स्टाफ को लेकर जब शिक्षामित्र से जानकारी ली गई तो उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। रिसिया विकासखंड के शेखापुर जूनियर में सिर्फ प्रधानाध्यापक मनोज श्रीवास्तव व सहायक अध्यापिका मौजूद रही। वहीं गेड़ापुरवा व गुरुचाही में सिर्फ प्रधानाचार्य ही मौजूद रहे और अन्य कर्मी नदारद रहे। रायपुर कबूला उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य रामू लाल व सहायक अध्यापक मौजूद रहे। फखरपुर विकासखंड में निजी स्कूल संचालकों ने भी बीएसए के आदेश को जमकर ठेंगा दिखाया। फखरपुर बाजार से कदियापुर जाने वाले मार्ग पर दर्जनों छोटे—छोटे बच्चे कड़ाके की ठंड के बीच ठिठुरते हुए स्कूल जाते दिखे। आलम यह रहा कि कई निजी स्कूल खुले रहे।

मिट्टी की दीवार गिरने से मलबे में दबकर 5 वर्षीय मासूम बालक की मौत

संवाददाता—बहराइच। जिले में गुरुवार को कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई थी। लेकिन जंगल से सटे इलाके में हल्की से मध्यम बारिश हुई। जिसके कारण मिट्टी की दीवाल में सीलन आ गई। शुक्रवार को जंगल से सटे चहलवा गांव मजरा बिहारी पुरवा गांव के रहने वाले प्रेम सिंह के मकान की मिट्टी की दीवार अचानक भराभरा कर गिर गई। आंगन में उनका 5 वर्षीय बेटा आर्यन खेल रहा था। जो मलबे के नीचे दब गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मलबा हटाकर परिजन उसे अस्पताल ले गए। जहां

पर डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घटना की जांच पड़ताल कर रही है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुजौली ने बताया कि परिवार के लोगों से बातचीत की जा रही है। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। मिट्टी की दीवार अचानक गिरने से 5 वर्षीय बालक की उसके नीचे दबकर मौत हो गई है।

आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी ने एक सेट में फिर दाखिल किया नामांकन

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन के आखिरी दिन शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने एक सेट में अपना नामांकन फिर दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि मिल्कीपुर की जनता उन्हें लाखों वोटों से जिताएगी।

समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद के आरोप कि लड़ाई बाहर और घरवाले की है पर कहा कि पिछले 10–12 साल से मैं और मेरा परिवार मिल्कीपुर की जनता की सेवा कर रहा है। उनके सुख–दुख में हम शामिल होते आए हैं। अब मिल्कीपुर की जनता को यह तय करना है कि कौन घर का है, कौन बाहर का है। नामांकन करने का आखिरी दिन होने के चलते नामांकन स्थल पर गहमागहमी रही।

सुरक्षा को लेकर एसएसपी राजकरण नय्यर ने कहा कि नामांकन के दौरान नामांकन स्थल पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह से किसी भी मतदाता को प्रभावित करने की पोस्ट की गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मिल्कीपुर उपचुनाव में मतदान के दौरान सुरक्षा को लेकर कहा कि 20 जनवरी के बाद पैरामिलिट्री फोर्स के साथ बड़े स्केल पर एरिया डॉमिनेशन एक्सरसाइज मिल्कीपुर क्षेत्र में की जाएगी।

सपा प्रत्याशी ने फिर दो सेट में दाखिल किया नामांकन

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने भी दो सेटों में अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद अजीत प्रसाद ने कहा कि मिल्कीपुर में सिर्फ अखिलेश यादव की साइकिल देखी जा रही है।

मिल्कीपुर का नौजवान अखिलेश यादव के साथ है। मिल्कीपुर में बहुत बड़े अंतर से समाजवादी पार्टी चुनाव जीतेगी। इस चुनाव में बाहरी और घर वाले की लड़ाई है। भाजपा के पास प्रत्याशी नहीं था, उसे बाहर से प्रत्याशी उतारना पड़ा। भाजपा में जो टिकट की दावेदार थे, उन सब में नाराजगी देखी जा रही है और वे सभी अखिलेश यादव की साइकिल देख रहे हैं। भाजपा ने यदि मिल्कीपुर में विकास किया होता तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी कैबिनेट को नहीं उतरना पड़ता। मिल्कीपुर की जनता अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद को देख रही है। यह स्वर्गीय मित्रसेन यादव की धरती है। यहां से समाजवादी पार्टी बहुत बड़े अंतर से जीतेगी।

चौरीचौरा पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर पिंटू सहित सात पर की गैंगेस्टर की कार्रवाई

संवाददाता–गोरखपुर। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ईश्वर चन्द जायसवाल उर्फ पिंटू जायसवाल का एक संगठित गिरोह है। जिसमें यह गैंग लीडर है। इसके साथी शेषनाथ, प्रिंस जायसवाल, राजू सिंह, सुनील जायसवाल, हरभजन सिंह, पवन जायसवाल है। यह जिला व प्रदेश स्तर पर सक्रिय है। इन लोगों के द्वारा धोखाधड़ी से फर्जी वह कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा कराने का कार्य करते हुए अपने तथा गैंग के सदस्यों की आर्थिक भौतिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य सामूहिक व संगठित रूप से अपराध करते हुए भारतीय दंड विधान के अध्याय 17 में वर्णित अपराधों के करने के अव्यक्त अपराधी हैं। यह गैंग धोखाधड़ी से फर्जी वह कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने की घटना जैसे जघन्य अपराध कार्य करते हैं। उनके विरुद्ध थाने पर मुकदमा अपराध संख्या 008\24 धारा 419, 420, 467, 468,471 व 19\24 मु0अ 419, 420, 467, 468, 471 दर्ज है। इन केस का विवेचना में चार्जशीट न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इन अपराधों की वजह से जनता की अपूरणीय क्षति हो रही है। इनके वजह से जनता में भय के आतंक का माहौल है।

इस गिरोह की सक्रियता लगातार बनी हुई है। इन पर 2 (इ) (प), उत्तर प्रदेश गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986, 2(इ)(•प), 3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 में केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

पुलिस के शिकंजा कसने के बाद फरार चल रहे चौरीचौरा का भूमाफिया व हिस्ट्रीशीटर ईश्वरचंद जायसवाल उर्फ पिंटू पुलिस से बचने के लिए गुरुवार को किसी अन्य मुकदमे में गवाहों से अपनी गवाही को वापस कराकर कोर्ट में सरेंडर किया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया।

मेला ड्यूटी में आए दरोगा की तबीयत बिगड़ी मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के सरस्वती पुरम लेन एक में रहने वाले उप निरीक्षक सूबेदार यादव पुत्र स्व0 नान्हू यादव मूल रूप से रसूलपुर थाना बिरनो जिला गाजीपुर के रहने वाले हैं। 54 वर्षीय सूबेदार यादव की गोंडा में तैनाती थी। उनकी खिचड़ी मेला ड्यूटी लगी थी। महिला थाना जनपद गोण्डा में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत थे ,और अपने परिवार के साथ थाना क्षेत्रान्तर्गत सरस्वती पुरम लेन 1 में रहते थे । शुक्रवार की सुबह तबीयत खराब होने पर इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित कर दिया।

कस्टम कमिश्नर ने किया ककरहवा कस्टम कार्यलय का निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कस्टम कमिश्नर रंजीत कुमार ने इंडो–नेपाल ककरहवा बार्डर स्थित कस्टम कार्यलय का औचक निरीक्षण किया। कस्टम कमिश्नर ने कहा कि नेपाल सीमा की संवेदशीलता को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व जांच व्यवस्था पुख्ता की जाए।कार्यलय निरीक्षण के बाद बार्डर पर तैनात एसएसबी संग परिवहन आवागमन के रुटीन पर भी चर्चा की। सीमा पर एसएसबी व सिविल पुलिस के साथ समन्वय बना कर संयुक्त रूप से सभी गतिविधियों पर जांच कर निगरानी रखने के लिए निर्देशित किया।कस्टम कार्यलय में फाइलों के रख रखाव और साफ–सफाई की व्यवस्था को देखकर संतुष्टि जताई। इस दौरान असिस्टेंट कमिश्नर चंदेल सिंह, पीके सिंह आयुक्त कमिश्नर,अनिल कुमार सिंह अधीक्षक,अरविंद सिंह नेगी निरीक्षक ककरहवा,शरद तिवारी आदि मौजूद रहे।

मिल्कीपुर उपचुनावः सपा के बाद अब भाजपा में भी अंदरूनी कलह के संकेत, दिन प्रतिदिन बदल रहे समीकरण

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सपा के बाद अब भाजपा में भी अंदरूनी कलह सतह पर आती दिख रही है। सपा में टिकट के दावेदार रहे सूरज चौधरी आजाद समाज पार्टी से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए हैं। वहीं, भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के नामांकन से पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा व रामू प्रियदर्शी और पार्टी के जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी के दूरी बनाए जाने से अंदरूनी कलह के संकेत मिल रहे हैं। दोनों दलों की आंतरिक उठापटक से मिल्कीपुर के चुनावी समीकरण दिन प्रतिदिन बदलते नजर आ रहे हैं। भाजपा में टिकट के दावेदारों की लंबी लिस्ट थी। लिहाजा यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि टिकट की घोषणा के बाद कुछ दावेदारों के सुर बदल सकते हैं। 2017 में भाजपा से विधायक चुने गए गोरखनाथ बाबा 2022 में चुनाव हार गए थे लेकिन जब उप चुनाव का मौका आया तो क्षेत्र में सक्रिय थे। उप चुनाव में टिकट कटने के बाद अब उनका राजनीतिक भविष्य खतरे में है। बृहस्पतिवार को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मिल्कीपुर में आयोजित जनसभा से लेकर नामांकन तक उनकी अनुपस्थिति ने अंदरूनी कलह के संकेत दे दिए। जबकि बुधवार शाम पूर्व विधायक को नामांकन में पहुंचने का बुलावा लेकर प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही स्वयं उनके घर पहुंचे थे। प्रभारी मंत्री के बुलावे के बावजूद पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी भी नामांकन सभा में नहीं पहुंचे। टिकट के दावेदार भाजपा के जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी सहित कई अन्य दावेदारों की भी नामांकन में नामौजूदगी से भाजपा में उठापटक सतह पर आती दिख रही है। वहीं, टिकट की घोषणा के बाद जिले के तीनों विधायकों वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव व डॉ. अमित सिंह चौहान की ओर से सोशल मीडिया पर चंद्रभानु को बधाई न देने और प्रत्याशी के नामांकन के पोस्टर से जिले के तीनों विधायकों सहित कई दिग्गजों के फोटो गायब होने से भाजपा में भी खेमेबंदी की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बैठक के बाद सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद के नामांकन में सपाई दिग्गजों की एकजुटता तो देखने को मिली लेकिन टिकट के दावेदार रहे सूरज चौधरी बगावती सुर अख्तियार कर आजाद समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में उतर गए। हालांकि जानकारों का कहना है कि मंच और सार्वजनिक कार्यक्रमों में एकजुटता दिखाने वाले मिल्कीपुर के दिग्गज सपाईयों के अंदरखाने सुर कुछ अलग ही है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार सपा और भाजपा में ही मुख्य मुकाबला है। ऐसे में देखना है आंतरिक कलह से जूझ रहे दोनों दलों में कौन बाजी मारता है।

जिले के 18 हजार निर्धन परिवारों को आत्मनिर्भर बनाएगी सरकार

संवाददाता–संतकबीरनगर। निर्धन परिवारों को योजनाओं से जोड़कर सरकार आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही मुख्य धारा से जोड़ने काम करेगी। इसके लिए गांव–गांव सर्वे शुरू हो गया है। जिले में अभी तक 15,119 निर्धन परिवार चिन्हित किए जा चुके हैं। ग्राम पंचायतों में गठित कमेटी एक–एक घर का सर्वे करते हुए ऑनलाइन अपलोड किया जा रहा है। पहले चरण में जनपद प्रत्येक ग्राम पंचायत से 25 निर्धन परिवारों को चिन्हित किया जाना है। जीरो पावर्टी अभियान के तहत चल रहे सर्वे का लक्ष्य अधिक से अधिक गरीबी का उन्मूलन किया जाना है। इसके लिए शासन से प्रत्येक ग्राम पंचायत में 10 से 25 निर्धन परिवारों को चिन्हित किया जाना है। निर्धारित मानक के अनुसार चिन्हित किए गए परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देते हुए उन्हे मुख्यधारा में ले आने का कार्य किया जाएगा। सभी का सर्वे दो स्तर से होगा। पहले स्तर के सर्वे की जिम्मेदारी पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, समूह सखी और बीसी सखी को दी गई है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 258 / 2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

अरूणदेवधर द्विवेदी आदि
बनाम
सतीशधर द्विवेदी आदि

1. पतीन्द्रधर द्विवेदी 2. नरेन्द्रधर द्विवेदी पुत्रगण गिरीशधर द्विवेदी 3. सूरजधर द्विवेदी 4. शरदधर द्विवेदी पुत्रगण योगीशधर द्विवेदी 5. मु0 साधना विधवा योगीशधर द्विवेदी 6. मु0 मीना देवी विधवा गिरीशधर द्विवेदी साकिनान मौजा रमवापुर दूबे तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–01–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–01–2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0 05 / 2023

रामउग्रह
बनाम
जलील अहमद आदि

1. जलील अहमद पुत्र वहीद निवासी रूद्रनगर तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 2. अयोध्या प्रसाद पुत्र राजबली 3. पुद्दन 4. दुर्गा 5. सुरेश 6. ज्ञानचन्द्र पुत्रगण अयोध्या समस्त निवासीगण ग्रम रूधौलीकला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–02–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 02 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 324 / 2023

रामदास
बनाम
सलीमुन्निशा आदि

1/1 मो0 वसीम 1/2 मो0 नसीम 1/3 मो0 वजीम पुत्रगण इलियास साकिन नरखोरिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 2. जगतराम 3. पतिराम पुत्रगण प्रसाद 4/1 सुन्दरमति बेवा रामप्रीत साकिन रामनगर कठौतिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–01–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 01 के 22 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 478 / 2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मिठाई लाल
बनाम
जगतराम आदि

1. जगतराम पुत्र रामपियारे ग्राम गोसैसिंहपुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. दुर्गावती 3. इन्द्रावती 4. कृष्णावती पुत्रीगण रंगीलाल 5. विजयपाल 6. नोखेलाल उर्फ बोसेलाल पुत्रगण सुक्खू 7. रोहित कुमार पुत्र हीरालाल 8. मनोज कुमार पुत्र मायाराम 9. रामधीरज 10. बिरेन्द्र 11. रविन्द्र 12. प्रेमचन्द्र पुत्रगण दयाराम 13. श्रीमती श्यामरती पत्नी दयाराम 14. आकाश 15. अविनाश पुत्रगण रंजीत 16. श्रीमती लक्ष्मीना पत्नी रंजीत 17. पिन्टू 18. अवधेश पुत्रगण कन्हैया 19. श्रीमती ज्ञानमती पत्नी कन्हैया 20. शान्ती पत्नी मेवाला 21. उदयराम 22. शनि कुमार 23 राज कुमार 24. कृष्ण कुमार 25. शिवकुमार पुत्रगण मेवालाल 26. कु0 रूपा पुत्री मेवालाल निवासीगण ग्राम गोसैसिंहपुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

महोत्सव में प्रस्तुति के लिए स्कूली बच्चों ने दिए ऑडिशन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर महोत्सव की तैयारी को लेकर शुक्रवार को शहर के रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राओं ने ऑडिशन दिया। इस दौरान लघु एकांकी के साथ ही वाद विवाद, मेंहदी, लोकनृत्य, नृत्य, पेटिग, एकल नृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले स्कूली बच्चों व अन्य का पंजीकरण भी किया गया। बीएसए कार्यालय परिसर में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव इस बार 29 जनवरी से दो फरवरी के बीच होगा। महोत्सव में स्कूली बच्चों के कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिए शहर के विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सभागार में शुक्रवार को ऑडिशन कार्यक्रम के पहले दिन स्टेपअप डांस, सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल थरौली, सिद्धार्थ मॉडर्न पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, राजमणि सिंह पब्लिक स्कूल, सिंहेश्वरी इंटर कॉलेज, जय किसान इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज बांसी, नवीन हायर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, कैलाशपति पब्लिक स्कूल, डीएवी एजुकेशनल, गुडलक पब्लिक स्कूल, रघुवर प्रसाद जायसवाल विद्या मंदिर, सरला इंटरनेशनल एकेडमी, जनता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, विद्या एकेडमी एवं आइडियल पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्रा शामिल हुए। ऑडिशन के बाद ही महोत्सव के मंच पर कार्यक्रम को प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इस मौके पर राजकीय इंटर कॉलेज नौगढ़ के प्रधानाचार्य दयाशंकर यादव, जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर सनई के प्रवक्ता सचिदानंद शुक्ला समेत पुनवेश्वर मिश्रा, नितेश पांडेय, राजेश शर्मा, ज्योत्सना सिंह, अर्चना सिंह, सविता वर्मा, उमाशंकर आदि उपस्थित रहे। ऑडिशन के संयोजक सच्चिदानंद शुक्ल ने बताया कि ऑडिशन शनिवार को भी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सभागार में लिया जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 207 / 2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

जिलेदार
बनाम
रामललित

1. रामललित पुत्र द्वारिका साकिन बाघाडीहा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 147 / 2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती फूला देवी
बनाम
श्रीमती कौशिल्या

1. श्रीमती कौशिल्या पत्नी सुरेन्द्र निवासी ग्राम ढढौणा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 321 / 2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम निहोर
बनाम
कमलेश

1. कमलेश पुत्र भगन साकिन अकेला कुबेरपुर तप्पा जगन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
मुतफरका वाद सं0–47 / 2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती संजीदा खातून
बनाम
श्रीमती सवरून्निशां आदि

1. श्रीमती सवरून्निशां उमर लगभग 70 साल पत्नी सिराजुहक ग्राम0–जयविजय, पो0– पड़री, तप्पा–कोरऊ परगना–महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

रेस्पान्डेन्ट प्रथम श्रेणी / प्रतिवादिनी प्रथम श्रेणी

2. अलीमुन्निशां उमर लगभग 50 साल पत्नी जब्बार अली ग्राम0–जयविजय, पो0– पड़री, तप्पा–कोरऊ परगना–महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

रेस्पान्डेन्ट द्वितीय श्रेणी / प्रतिवादिनी द्वितीय श्रेणी

तारीख पेशी 04–02–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट।

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 04 महीना 02 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

आंगनबाड़ी केंद्रों को सहायक उपकरण का वितरण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन के लिए शासन ने विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण को उपलब्ध कराया है। शुक्रवार को बढनीचाफा क्षेत्र के कार्यकताओं को उपलब्ध कराने के लिए सहायक सामग्रियों का वितरण जिम्मेदारों में चेयरमैन धर्मराज वर्मा व ईओ आशुतोष सिंह द्वारा किया गया। उपकरण वितरण करने के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार गंभीर है। केंद्रों पर जो भी सामान दिया जा रहा है, उसका उपयोग कर बच्चों की शिक्षा के साथ स्वास्थ्य जांच आदि करने में सहायता मिलेगी। अधिशासी अधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि भारत भारी क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए वेट मशीनद्द वयस्क, बेबी वेट मशीन, बर्तन सेट, ईंधन, इनफेंटोमीटर, स्टेडियोमीटर आदि का वितरण किया गया है। इस दौरान लिपिक मंटू पांडेय समेत राजकुमारी, शशि श्रीवास्तव, माला देवी, शिलावती, संजू भारती, माला देवी, शशिकला, अनीता देवी आदि मौजूद थी।

पीआरवी जवानों से बदसलूकी, सभासद समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। गुरुवार की रात संतकबीर नगर के धर्मसिंहवा थानाक्षेत्र में पीआरवी जवानों के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने सख्त कारवाई करते हुए स्थानीय सभासद समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को नगर पंचायत धर्मसिंहवा की बोर्ड बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सभासद के दो गुटों में विवाद हो गया। इस पर एक पक्ष धर्मसिंहवा चौराहे पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब सभासद ने चौराहे से गुजर रही पीआरवी की गाड़ी को रोक लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई भी हुई। यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल भी हो गई। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान में लेते हुए कारवाई शुरू की।पुलिस ने शुक्रवार सुबह सभासद शशि गुप्ता कपूर राय, रवि प्रकाश राय, वीरेंद्र पांडेय और धर्मेंद्र पांडे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दर्ज एफआईआर में पुलिसकर्मी रोहितास पांडे, शकीन और कन्हैया लाल यादव के साथ हुई अभद्रता का जिक्र है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com